परामर्श प्रमुख

श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद

प्रधान संपादक
सिंघई राजेन्द्र जैन, 9424013136

सह संपादिका
श्रीमती अनुपमा-रजनीश जैन, 9009066884
श्रीमती साधना-सुनील जैन, 8602696165

कोषाध्यक्ष
सुधेशकुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्रकुमार जैन, सायकलवाले 9425353972
खुशालचंद जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227

संयोजक एवं प्रकाशक
बाहुबली जैन, 9827247847

*** विशेष सहयोगी ***
डॉ. आनंदकुमार जैन, विदिशा
श्री पूरनचंद धन्यकुमार जैन, महरौनी
श्री देवेन्द्रकुमार राजकुमार जैन, भोपाल
श्री अजयकुमार जैन, ललितपुर

*** सहयोगी सदस्य ***
श्री कुन्दनलाल मनोरिया, विदिशा

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
सहयोगी सदस्य	1100/-
सहयोग राशि	500/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855
IFSC Code: SBIN0030134
में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट - 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	300/-

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु गोलालारीय दर्शन 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर अथवा श्री राजेन्द्रकुमार जैन हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड, इन्दौर पर भेंजे।

वर्ष भर मनायेंगे संयम स्वर्ण महोत्सव

आषाढ़ शुक्ल पंचमी विक्रम संवत् 2074 यानि 28 जून 2017 का पावन दिवस जो पूज्य गुरुदेव संत शिरोमणि 108 आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज का 50वां दीक्षा दिवस है जिसे संपूर्ण विश्व में 'संयम स्वर्ण महामहोत्सव' के रूप में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।

यह महोत्सव हमारे जीवन के लिये मणिकांचन योग बन कर आया था हमारे जीवन में ऐसे अवसर बिरले ही आते है जब हम महान संतों के जीवन के उत्सवों के साक्षी बनते है। आइये हम सभी इस 'संयम स्वर्ण महोत्सव' को वर्ष भर अनेक आयोजन के साथ अपने नगरों में धूमधाम पूर्वक मनाये। इस प्रसंग पर आचार्यश्री द्वारा रचित संपूर्ण साहित्य एवं प्राचीन आचार्यो द्वारा रचित महत्वपूर्ण ग्रंथों का सेट उन मंदिरों को नि:शुल्क उपलब्ध कराने की योजना है जहां नियमित स्वाध्याय होता है।

वर्ष 2017-18 में आयोजित होने वाले विभिन्न आध्यात्मिक एवं रचनात्मक अनुष्ठानों के साथ एक विशिष्ट पत्राचार पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। एक वर्ष के इस पाठ्यक्रम में गुरुवर्य के अलौकिक व्यक्तित्व व लोक कल्याणकारी विचारों पर केन्द्रित होगा। तीन आयु वर्गों में विभाजित (10 से 13 वर्ष, 14 से 17 वर्ष व 18 वर्ष से उपर) इस पाठ्यक्रम की प्रावीण्य सूची में सम्मिलित होने वाले श्रावकों को 11000 रु. से एक लाख तक नगद पुरस्कार राशि से अलंकृत किया जायेगा। प्रांतीय स्तर पर 11 सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किये जायेंगे।

स्वावलंबन महायोजना - अर्थाभाव के कारण श्रेष्ठ शिक्षा, चिकित्सा व जीवन यापन से वंचित परिवारों के लिये बनाई गई इस योजना में परिवार को गोद लेकर सुविधाएं उपलब्ध कराकर स्वावलंबन योजना के अंतर्गत गौपालन व हथकरघा ग्रामोद्योग से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जावेगा।

संयम कीर्ति स्तंभ - अपने ग्राम व नगर के सार्वजनिक स्थलों, चौराहों, बस स्टेण्ड, रेलवे स्टेशन, विद्यालयों व नगर के उद्यानों में संयम कीर्ति स्तंभ की स्थापना कर गुरुवर्य के अवदान एवं व्यक्तित्व के प्रति अपनी भावपूर्ण आदरांजलि व्यक्त कर सकते है। इस संकल्प में हम अपने जनप्रतिनिधियों की सहभागिता के साथ समाज श्रेष्ठियों की मदद ले सकते है। यह कीर्ति स्तंभ संयम स्वर्ण महोत्सव समिति के द्वारा एक ही डिजाइन, आकार व एक ही रंग संयोजन से बनाया जाना है बस आपको अपने संकल्प की जानकारी महोत्सव समिति को देना है।

संत शिरोमणि योग शिविर - वर्ष भर चलने वाले संयम स्वर्ण महोत्सव के अंतर्गत समाज प्रमुख अपने नगर/ग्राम में वर्ष भर या विशेष कालखंड में योगा शिविर का आयोजन कर योग से संबंधित चित्र प्रदर्शनी, पुस्तक वितरण व फिल्म शो का आयोजन कर सकते है।

राष्ट्रीय भजन प्रतियोगिता - आचार्य श्री के जीवन व विचारों पर आधारित भजन प्रतियोगिता का आयोजन अनेक शहरों में किया जावेगा। जो सदस्य इस विधा में रुचि रखते है उनके लिए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा की पहचान दर्ज कराने का स्वर्णिम अवसर है इस प्रतियोगिता के विजेता को एक लाख रु. राशि पुरस्कार स्वरुप भेंट की जावेगी।

स्मृति प्रतीकों का संचय - इस स्वर्णिम अवसर की स्मृतियों को संजोने हेतु गुरुवर्य की छवि बाली सुंदर स्वर्ण, रजत व कांस्य धातु के सिक्कों का निर्माण किया जा रहा है। जिसे आप अवश्य ही अपने पास सहेज कर रखना चाहेंगे।

पाठशालाओं का पुनरुत्थान - प्रत्येक नगर में लगने वाली पाठशालाओं को पुर्नजागृत कर बच्चों में संस्कारों का बीजारोपण करना समिति का ध्येय है ताकि समाज का नैतिक एवं चारित्रिक पक्ष मजबूत हो साथ ही ये बच्चे सशक्त युवा पीढ़ी के रुप में उभरकर चतुर्विध संघ की विनय एवं वैय्यावृत्य में सहायक बन सके।

वर्ष भर चलने वाले संयम स्वर्ण महोत्सव में अनेक गतिविधियों का आयोजन किया जाना है। भावी पीढ़ी को भारतीय संस्कृति के इतिहास में स्वर्ण युग की ख्याति से परिचित कराने के लिए पाक्षिक पत्रिका 'विद्या ध्वनि'' का प्रकाशन किया जाना है। गुरुवर्य को समर्पित कोई काव्यात्मक शब्द शिल्प, गीत, छंद आदि काव्य संग्रह है या आपके पास स्वयं रचित गुरुवर्य को कृतज्ञता ज्ञापित करती कोई पुष्पांजलि या गुणगाथा है या भजन आल्हा चालीसा या सूक्तियां इत्यादि है तो आयोजन समिति को भेज सकते है।

संपर्क - जैन विद्यापीठ, सागर मो.: 9109090222

संकलन - अनुपमा जैन, इन्दौर

भक्तामर महामंडल विधान संपन्न।

कोमलचंद जैन, इन्दौर। 14 से 21 मई तक इन्दौर के रामाशाह मंदिर, मल्हारगंज के इतिहास में भक्तामर पाठ का अद्वितीय आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक अनुपम महार्चना का आयोजन डॉ. रुपेश-रानी मोदी परिवार द्वारा किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम में शहर के हजारों जैन व अजैन श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शहर के प्रमुख भक्तामर मंडली - भक्तामर मंडल, प्रयत्न ग्रुप, छावनी मंडल सहित 40 महिला मंडलों ने अपनी सुमधुर वाणी में भक्तामर पाठ के संस्कृत व हिन्दी पदों का भक्ति नृत्य के साथ आनंद लिया। प्रारंभ में चावल की चूरी से बना आकर्षक मंडल विधान में 48 पदों की महिमा बतायी गयी। स्थापना के साथ 48 अर्घ देकर मंगल अर्चना की शुरुआत की गयी। इस महाविधान में परम पूज्य आचार्य शिवसागरजी महाराज, ऐलाचार्य निजानंदजी महाराज, पूज्य आर्यिका 105 कीर्तिवाणी माताजी का सानिध्य एवं आशीर्वाद श्रावकों को प्राप्त हुआ। पंच लश्करी गोट ट्रस्ट ने भरपूर सहयोग प्रदान किया। महामंडल विधान का निर्देशन अनिल भैयाजी, पं. प्रवर रमेशचंदजी बांझल, मानभद्र मंडल के द्वारा हुआ। इस आयोजन के समन्वयक डॉ. संगीता विनायका व कमल काला थे। समापन के अवसर पर श्रीजी की भव्य पालकी यात्रा शहर के पश्चिम क्षेत्र में धूमधाम से निकाली गई। समापन अवसर पर महावीर बाग परिसर में सहयोगी संस्थाओं के साथ 110 संस्थाओं का भी बहुमान किया गया।

शिखरजी ड्रीम्ज़ मे पधारे आचार्य श्री 108 विशुद्धसागरजी महाराज

निशांत जैन, इन्दौर। इन्दौर नगर में आगमन करते हुए 1 जुलाई को आचार्य श्री 108 विशुद्धसागरजी महाराज ससंघ का रात्रि विश्राम तलावली चांदा पर स्थित शिखरजी ड्रीम्ज़ कालोनी पर हुआ। शिरोमणी आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महाराज के आशीर्वाद से उनके परम शिष्य समाधिस्थ ऐलक श्री 105 निशंकसागर जी महाराज की पावन प्रेरणा से शिखर ड्रीम्स में श्री 1008 पार्श्वनाथ दि. जैन मंदिर का निर्माण कार्य अंतिम चरण में चल रहा है। परिसर में अस्थाई जिनालय का शुभारंभ व वेदी प्रष्ठिा का भव्य आयोजन 25 जून को विधानाचार्य बा.ब्र. अनिलजी के मार्गदर्शन में बा.ब्र. अमय 'आदित्य' के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। प्रात: काल से ही अनेक आयोजन के साथ याग मंडल विधान पश्चात नवीन वेदिका पर श्रीजी विराजित किए गये। चैत्यालय प्रारंभ होने के 6 दिवस पश्चात् ही चर्या शिरोमणी आचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी महाराज का संसघ आगमन चैत्यालय से जुड़े परिवारों के लिए अत्यंत ही गौरव का क्षण था। वे अपने आप को धन्य मान रहे थे कि अल्प अवधि में ही गुरुवर के चरण इस कालोनी में पड़े।

हार्दिक बधाईयाँ

डॉ. आकाश आजाद जैन, अहमदाबाद ने जामनगर के शासकीय मेडिकल कॉलेज से एम.डी. रेडियोलॉजी की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक बधाई।

इंजी. अरुणकुमार जैन की सुपुत्री **डॉ. आकांक्षा जैन** ने अपना शोधपत्र फ्रांस के अंतर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस में प्रस्तुत किया।

देहरादून में सराकोद्धारक 108 षष्टम पट्टाचार्य ज्ञानसागरजी महाराज के पावन सानिध्य में श्रुत सम्वर्द्धन सम्मान समारोह में ललितपुर समाज के वरिष्ठ सदस्य **डॉ. हुकुमचंद पवैया** का 51000 रु. की धनराशि प्रशस्तिपत्र, रजत ट्रे, शाल श्रीफल व नवकार महामंत्र की माला के साथ सम्मान किया गया। आपका जैन पत्रकारिता के क्षेत्र में विशेष योगदान रहा है।

तप साधकों के लिए विशेष अवसर

आगामी पयूर्षण पर्व में 5 या 5 से अधिक निरंतर निर्जल उपवास / निरंतर एक दिन जल व एक दिन निर्जल उपवास / निरंतर सिर्फ जल के आधार पर ही उपवास करने वाले तपसाधकों के चित्र जानकारी सहित गोलालारीय दर्शन पत्रिका में प्रकाशित कर करना चाहते है। आपसे निवेदन है कि जो श्रावक इस श्रेणी में आते है वे अपनी सचित्र जानकारी पूर्ण विवरण के साथ गोलालारीय दर्शन पत्रिका के पते, ईमेल या वाट्सएप्प नं. 9406744064 पर 15 सितम्बर 2017 तक भेज सकते है।